आज सुणाई करणी पड़सी छोटो सो मेरो काम है भजन लिरिक्स

आज सुणाई करणी पड़सी,
छोटो सो मेरो काम है,
भोत घणेरी आस लगाकै,
आयो थारो दास है।bd।

तर्ज़ – थाली भरकै ल्याई रे खिचड़ो।

लखदातार कुहावै रे बाबो,
खाली झोली भर देवै,
दीन दुखी दरवाजै आवै,
सारा संकट हर लेवै,
जो भी आवै थां रै द्वारै-२,
जावै नहीं निराश है,
भोत घणेरी आस लगाकै,
आयो थारो दास है।bd।

बार बार थां की चोखट पर,
आस लगाकै आऊं मैं,
छोड तेरो दरबार सांवरा,
कुण कै दर पर जाऊं मैं,
इकबर हंसकर देख ले दाता-२,
मनड़ो भोत उदास है,
भोत घणेरी आस लगाकै,
आयो थारो दास है।bd।

द्वार दया रो खोल सांवरा,
क्यों तू आंख चुरावै है,
सूत्या भाग्य जगा दे रे बाबा,
क्यों इतरो तरसावै है,
मेरी किस्मत की ताली तो-२,
बाबा थां रै पास है,
भोत घणेरी आस लगाकै,
आयो थारो दास है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आज सुणाई करणी पड़सी,
छोटो सो मेरो काम है,
भोत घणेरी आस लगाकै,
आयो थारो दास है।bd।

– भजन प्रेषक –
विवेक अग्रवाल जी।
९०३८२८८८१५

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com